

Kisan Satyagraha

Press Release 5, June 2, 2019

Farmers in Haryana join the Kisan Satyagraha to demand access to GM crops

हरियाणा के किसान सत्याग्रह में शामिल होकर जीएम फसलों की पहुँच की माँग करते हैं

Bhartiya Kisan Union - Khetkari Sanghatan, Fatehabad / Hisar, Haryana:

A cotton farmer in Haryana, has decided to join the Kisan Satyagraha by symbolically sowing HTBt cotton on his field in village Sarangpur, tehsil Agroha, district Hisar, Haryana, on July 5, 2019, at 9 am.

हरियाणा में एक कपास के किसान ने अपने खेत में प्रतीकात्मक रूप से HTBt कपास की बुवाई करके किसान सत्याग्रह में शामिल होने का फैसला किया है। गांव सारंगपुर, तहसील अग्रोहा, जिला हिसार, 5 जुलाई, 2019 को सुबह 9 बजे। यह कार्यक्रम 5 जुलाई 2019, सुबह 9 बजे से ग्राम सारंगपुर, तहसील अग्रोहा, जिला हिसार में आयोजित किया जाएगा।

Shri Bhupinder Singh Mann, former MP, National President, Bhartiya Kisan Union, will preside over the proceedings. All are invited.

श्री भूपिंदर सिंह मान, पूर्व सांसद, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन, बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सभी लोग आमंत्रित हैं।

The Kisan Satyagraha demands freedom for farmers' to access the latest technologies, including GM crops, to help improve farmers' income, and thereby contribute to national well-being.

किसान सत्याग्रह किसानों को जीएम फसलों सहित नवीनतम तकनीकों के लाभों को प्राप्त करने की स्वतंत्रता की मांग करता है। ये किसानों की आय में सुधार करने में मदद करेंगे, और इससे राष्ट्रीय कल्याण में योगदान होगा।

The Kisan Satyagraha was initiated by Shri Lalit Bahale of Shetkari Sanghatana, in Akoli Jahagir village in Akot tehsil, Akola district, Maharashtra, on June 10, 2019. Inspired by the idea, Shri Chiranjeeval Bishnoi from Sarangpur village, in Hisar district, has decided to publicly support the call for access to new scientific advances.

शेतकरी संगठन के श्री ललित बहले ने अकोली जहाँगीर गाँव में, अकोट तहसील, अकोला जिले, महाराष्ट्र में किसान सत्याग्रह की शुरुआत की, 10 जून 2019 को। इस विचार से प्रेरित होकर, हिसार जिले के सारंगपुर गाँव के श्री चिरंजीलाल बिश्नोई ने सार्वजनिक रूप से नई वैज्ञानिक प्रगति के लिए किसान सत्याग्रह में भाग लेने का निर्णय किया है।

The Bhartiya Kisan Union (BKU) in Haryana, and the Shetkari Sanghatana, Maharashtra, have expressed their strong support for Shri Chiranjeelal Bishnoi, and all the other farmers who have come forward to join the Satyagraha in the past few weeks.

हरियाणा के भारतीय किसान यूनियन (BKU), और महाराष्ट्र के शेतकरी संगठन ने श्री चिरंजीलाल बिश्नोई और अन्य सभी किसानों, जो पिछले कुछ हफ्तों में सत्याग्रह में शामिल होने के लिए आगे आए हैं, उन सभी के अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया है।

Over the past three weeks, over three dozen farmers, spread over 15 districts of Maharashtra's cotton belt, have publicly sown HTBt cotton. Although none of them can be sure that the seeds they have procured from the grey market are really the Herbicide Tolerant (HT) genetically engineered Bt cotton that they desire.

पिछले तीन हफ्तों में, महाराष्ट्र के कपास क्षेत्र के 15 जिलों में फैले तीन दर्जन से अधिक किसानों ने सार्वजनिक रूप से HTBt कपास बोया है। यद्यपि उनमें से कोई भी यह सुनिश्चित नहीं कर सकता है कि उन्होंने "काला बाजार" से जो बीज खरीदे हैं, वे वास्तव में हर्बिसाइड टोलरेंट (एचटी) आनुवंशिक रूप से इंजीनियर बीटी कपास हैं जो वे चाहते हैं।

The Kisan Satyagraha, with its unique form of peaceful protest, where farmers are sowing at their own cost, on their own fields, acknowledging the attendant risks to their own livelihood, have sent a clear message across the country. The Indian farmers are no longer willing to wait for the government to approve technologies that have been proven and adopted for years, in many countries across the world.

शांतिपूर्ण विरोध के अपने अनूठे रूप के साथ, जहाँ किसान अपनी लागत पर, अपने खेतों पर, अपनी खुद की आजीविका के लिए परिचर जोखिमों को स्वीकार कर रहे हैं, किसान सत्याग्रह देश भर में एक स्पष्ट संदेश भेज रहा है। दुनिया भर के कई देशों में सालों से साबित और अपनाई गई तकनीकों को मंजूरी देने के लिए सरकार का इंतजार करने को तैयार नहीं हैं भारतीय किसान।

Across the world around 60% of cotton is HTBt. In 2017, a field survey done by government of India had found that in major cotton growing states of Gujarat and Maharashtra 15% of cotton were HTBt, and in Punjab and Haryana it were around 9%.

दुनिया भर में 60% कपास HTBt है। 2017 में, भारत सरकार द्वारा किए गए एक क्षेत्र सर्वेक्षण में पाया गया था कि गुजरात और महाराष्ट्र जैसे कपास उत्पादक राज्यों में 15% कपास HTBt थे, और पंजाब और हरियाणा में यह लगभग 9% था।

On behalf of Kisan Satyagraha, the Shetkari Sanghatana has submitted a memorandum with six key demands to the central and state government.

किसान सत्याग्रह की ओर से, शेतकरी संगठन ने केंद्र और राज्य सरकारों को छह प्रमुख मांगों के साथ एक ज्ञापन सौंपा है।

Two months ago, Jeevan Saini, a small farmer, whose half acre of brinjal crop was destroyed by the local administration in Fatehabad district. Jeevan was accused of growing GM brinjal, although the farmer had no idea of what genetic modification meant. He had paid much higher price to purchase the brinjal saplings in the belief that these are a new hybrid that attracts less pests. Brinjal is particularly vulnerable to pest attacks.

दो महीने पहले, एक छोटा किसान जीवन सैनी, जिसकी आधा एकड़ बैंगन की फसल को स्थानीय प्रशासन ने नष्ट कर दिया था फतेहाबाद जिले में। जीवन पर जीएम बैंगन उगाने का आरोप लगाया गया था, हालांकि किसान को इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि आनुवंशिक संशोधन का क्या मतलब है। उन्होंने बैंगन के पौधे खरीदने के लिए बहुत अधिक कीमत चुकाई थी, इस विश्वास के साथ कि ये एक नए संकर हैं जो कम कीटों को आकर्षित करते हैं। बैंगन की फसल विशेष रूप से कीट संक्रमण की चपेट आता है।

Farmers and other friends of Shetkari Sanghatana and Bhartiya Kisan Union have generously contributed to aid Jeevan Saini and his family to partly compensate for their loss.

शेतकरी संगठन और भारतीय किसान यूनियन के साथी किसानों और मित्रों ने जीवन सैनी और उनके परिवार को आंशिक रूप से उनके नुकसान की भरपाई करने में मदद करने के लिए उदारता से योगदान दिया है।

Bt Brinjal, which was developed by an Indian company, was approved by the regulatory body, GEAC, in 2009. But Government of India put an indefinite moratorium on it in 2010. However, the same Bt Brinjal had been approved in Bangladesh, in 2014, and so far over 50,000 farmers have successfully adopted it so far, and consumers have enjoyed better quality fruits.

बीटी बैंगन, जिसे एक भारतीय कंपनी द्वारा विकसित किया गया था, और इसे 2009 में विनियामक निकाय, GEAC द्वारा अनुमोदित किया गया था। लेकिन भारत सरकार ने 2010 में इस पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी। हालांकि, उसी बीटी बैंगन को 2014 में बांग्लादेश में मंजूरी दी गई थी, और अब तक 50,000 से अधिक किसानों ने इसे सफलतापूर्वक अपनाया है, और उपभोक्ताओं ने बेहतर गुणवत्ता वाले फलों का आनंद लिया है।

Kisan Satyagraha is not against either organic or natural farming, zero-tillage or zero-budget agriculture, intensive agriculture or hydroponic farming. All these practitioners of different methods of agriculture enjoy their freedom. Kisan Satyagraha demands that the farmers who want to adopt genetically modified crops should also enjoy the right to same freedom.

किसान सत्याग्रह जैविक या प्राकृतिक खेती, शून्य-जुताई या शून्य-बजट कृषि, गहन कृषि या हाइड्रोपोनिक्स (बिना मिट्टी के खेती) के खिलाफ नहीं है। कृषि की विभिन्न पद्धतियों के सभी अभ्यासकर्ताओं द्वारा आजादी का आनंद लेने वाले किसान सत्याग्रह की मांग है कि जो किसान आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों को अपनाना चाहते हैं, उन्हें भी उसी स्वतंत्रता के अधिकार का आनंद लेना चाहिए।

Indian farmers are no longer prepared to silently bear their losses, and Indian consumers are being denied the pleasure of enjoying healthier and better crops.

भारतीय किसान अब चुपचाप अपना नुकसान उठाने के लिए तैयार नहीं हैं, और भारतीय उपभोक्ताओं को स्वस्थ और बेहतर फसलों का आनंद लेने से वंचित किया जा रहा है।

Contact:

- Bhartiya Kisan Union, Thakur Guniprakash, Haryana Pradesh Adhyaksh. Mob. 8901032721.
- Bhartiya Kisan Union, Baldev Singh Miyapur, Punjab Pradesh Adhyaksh. Mob.
- Shri Chiranjeelal Bishnoi, Sarangpur village, Hisar. Mob. 8708966060.
- Shetkari Sanghatana, Ajit Narde. Mob. 8668864685

For comments and communication:

Shetkari.Sanghatana.1979@gmail.com , kisan.Satyagraha.2019@gmail.com